चतुर्थ अध्याय

प्रदत्त विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

प्रदत्त विश्लेषण :–

प्रस्तुत अध्याय में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए उपयोग में लाई गई सांख्यिकी विधियों की व्याख्या/विश्लेषण की गई है।

परिकल्पना – ।

अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए सहसंबंध ज्ञात किया गया जो तालिका क्रमांक 4.1 में प्रस्तुत है।

तालिका 4.1 अनु.जनजाति के विद्यार्थी सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित प्रदत्त

Variable	n	df	r	Sig.
SES Ach.	105	103	0.08	0.394

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार तत्संबंध का मान 0.08 है। यह सार्थक नहीं है। इस कारणवश यह परिकल्पना स्वीकृत कि जाती है।

निष्कर्ष:–यह अनुमान लगाया जाता है कि अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

इनमें सार्थक सहसंबंध नहीं पाये जाने का कारण यह हो सकता है कि दोनों छात्र–छात्राओं को दी जाने वाली सुविधा एकसमान है। तथा दोनों के सामाजिक आर्थिक स्थिति में फरक नहीं दिखाई पड़ता है।

परिकल्पना–2

अनु.जनजाति के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सहसंबंध नहीं होता है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिये सहसंबंध ज्ञात किया गया जो तालिका 4.2 में प्रस्तुत है।

तालिका 4.2

अनु.जनजाति के छात्रों की सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि संबंधित प्रदत्त

Variable	N	df	e	Sig.
SES Ach.	53	51	.10	.453

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार सहसंबंध का मान .10 है वह सार्थक नही है। इस कारणवश यह परिकल्पना स्वीकृत कियी जाती है।

निष्कर्ष :- यह अनुमान लगाया जाता है कि अनु. जनजाति के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

परिकल्पना 3 :- अनु. जनजाति के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिये दोनों चरों के बीच सहसंबंध ज्ञात किया गया जो तालिका 4.3 में प्रस्तुत है।

तालिका 4.3 - अनु.जनजाति के छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि संबंधित प्रदत्त ।

Variable	N	df	r	Sig.
SES Ach.	52	50	0.5	.696

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार सहसंबंध सार्थक नहीं है इस कारणवश परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः– वह यह दर्शाता है कि अनु.जनजाति के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति और शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

परिकल्पना 4

अनु.जनजाति के उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध ज्ञात किया गया। वह तालिका 4.4 में प्रस्तुत है।

तालिका4.4

Variable	N	df	r	Sig.
SES Ach.	5	3	0.91	.885

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार सहसंबंध (R) सार्थक नहीं है। इस कारण यह परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

निष्कर्ष – वह यह दर्शाता है कि उच्च सा.आ. स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

परिकल्पना 5 :–

अनु.जनजाति के मध्यम सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए सहसंबंध ज्ञात किया गया वह तालिका 4.5 में प्रस्तुत है।

तालिका 4.5

Variable	N	df	r	Sig.
SES Ach.	64	62	.07	.536

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार सहसंबंध (R) सार्थक नहीं है इस कारण परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– यह दर्शाता है कि मध्यम सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

परिकल्पना 6:– अनु जनजाति के निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होता है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए सहसंबंध ज्ञात किया गया। वह तालिका 4.6 में प्रस्तुत है।

तालिका 4.6

अनु. जनजाति के निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सार्थकता प्रदत्त निम्न प्रकार से है।

Variable	N	DF	r	Sig.
SES Ach.	36	34	.39	.018

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार सहसंबंध (R) सार्थक है इस कारणवश परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षतः यह दर्शाता है कि निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सार्थक सहसंबंध पाया गया।

परिकल्पना 7:- अनु. जनजाति के छात्र-छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

छात्र-छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव जानने के लिए प्रसरण विश्लेषण ज्ञात किया गया।

तालिका 4.7

शैक्षणिक उपलब्धि

	Sum of Squre	df	Mean	F.	Sig.
Between Group	613.763	2	306.882	1.511	.226
Within Group	20720.484	1002	203.142		
Total	**21334.248**	**104**			

उपरोक्त प्रदत्त के आधार के अनुसार "एफ" का मुक्त सार्थक नहीं है इस कारणवश यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :- यह दर्शाता है कि अनु. जनजाति के उच्च, मध्यमतया निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धों पर प्रभाव नहीं पाया गया। इसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि सामाजिक आर्थिक स्थिति विद्यार्थी के शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव नहीं करती है।

परिकल्पना-8

अनु. जनजाति के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए तालिका 4.8 बताई गई है। इसमें प्रसरण विश्लेषण ज्ञात किया गया ।

तालिका 4.8

	Sum of Square	df	Mean	F.	Sig.
Between Group	351.216	2	175.608	.823	.445
Within Group	10666.067	50	213.34		
Total	**11017.283**	**52**			

उपरोक्त प्रदत्त यह दर्शाता है कि "एफ" का मुल्य (मान) .829 है वह सार्थक नहीं है अतः यह परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

निष्कर्ष :– यह बताता है कि अनु. जनजाति के उच्च मध्यम और निम्न के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है अतः सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया ।

परिकल्पना –9 :– अनु.जनजाति के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होता है।

परिकल्पना स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव होता है यह जानने के लिए प्रसरण विश्लेषण द्वारा संकलित किया है।

तालिका 49 :–

	Sum of Squre	DF	Mean	F.	Sig.
Between Group	323.960	2	161.980	.804	.453
Within Group	9868.559	49	201.399		
Total	**10192.519**	**51**			

उपरोक्त प्रदत्त के अनुसार "एफ" सार्थक नहीं पाया गया अतः यह परिकल्पना स्वीकार किया जाता है।

निष्कर्षः यह बताया जा सकता है कि अनु. जनजाति के उच्च मध्यम, निम्न के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

इसमें सार्थक अंतर न आने कारण यह हो सकता है, कि छात्र-छात्राओं मिलने वाली सुविधा तथा शिक्षा एकसमान हो सकती है तथा इनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति भी एकसमान हो सकती है।

परिकल्पना 10:- अनु.जनजाति के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका - 10

Categories	AM	SD	N	DF	T	Sig.
Boys	114.23	14.56	53			
Girls	116.40	14.14	52	103	0.75	0.439
Total						

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए "टी" मूल्य का ज्ञात किया गया जो तालिका क्र. 5.1 में प्रस्तुत है। इस तालिका के अनुसार न्यादर्श में सम्मिलित अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं सार्थक नहीं है, अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। निष्कर्षतः यह बताया जा सकता है कि छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया तथा कक्षा 6 वीं के अनु.जाति छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग का प्रभाव नहीं पाया गया है।

विद्यार्थी समस्या प्रश्नावली

निष्कर्ष :– प्रस्तुत शोध प्रबंध में विद्यार्थी कि समस्या जानने हेतु से कक्षा 6 वीं के छात्र–छात्राओं के प्रश्नपत्र भरवाया गया।

इस प्रश्नपत्र में सोलह प्रश्न सम्मिलित किये गये है। इस प्रश्नपत्र द्वारा छात्रों की शिक्षा संबंधी समस्या जानने का प्रयास किया गया, निष्कर्षता यह पाया गया कि–

- पाठ्यक्रम के हिन्दी विषय में पढ़ने की छात्र–छात्राओं की ज्यादा उत्सुकता बताते है।
- उसी प्रकार गणित, इग्लिशं आदि विषय में निरसता पायी गयी इसका कारण शैक्षिक वातावरण, या कम शैक्षिक साधनों का प्रभाव हो सकता है।
- ज्यादातर छात्रों ने पाठ्यक्रम समझने में सरलता दिखाई।
- न्यादर्श के अनुसार 50 छात्रों ने खेल में रूचि बताई परन्तु कुछ विद्यालय में खेल मैदान न होने के कारण समस्या बताई गयी।
- ग्रामीण वातावरण होने के कारण सभी छात्र पैदल शाला पहुंचते है। वहा शाला जाने के लिए दूसरा कोई साधन अनुसंधान के दौरान नहीं पाया गया, अतः यह समस्या सभी शाला में पाई गयी ।
- विद्यालय में मध्यान भोजन की सुविधा नहीं पायी गयी।
- पाठ्यपुस्तक तथा शैक्षिक साधनों की कमी शिक्षकों द्वारा बताई गयी तथा इसके कमी के कारण विद्यार्थी के अध्ययन पर प्रभाव पाया गया।
- प्रत्येक विद्यालय में विद्यार्थी को गृहपाठ दिया जाता है तथा पाठ्यक्रम अपनी भाषा में पढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

- किसी विद्यालय को शारीरिक दंड नहीं दिया जाता तथा इसके संबंधित कोई समस्या नहीं पाई गयी।
- 50 प्रतिशत से ज्यादा विद्यालय में बिजली सुविधा नहीं पायी गयी इस कारणवश रेडियो, टी.वी. के शैक्षिक कार्यक्रम जैसे 'बालचित्र' वाणी को नहीं दिखाये जा सकते है यह समस्या पायी गयी।
- विद्यालय भवन तथा सुलभ प्रसाधन वही है यह समस्या ज्यादातर विद्यालय में पायी गयी, तथा शिक्षकों की कमी भी पायी गयी।

शिक्षक समस्या प्रश्नावली

निष्कर्ष :- शोधकर्ता ने प्रस्तुत शोध के अन्तर्गत मुलताई क्षेत्र शिक्षकों कि समस्या जानने का प्रयास किया है।

इसमें मुख्यतया यह पाया गया कि इस सेवा के अन्तर्गत कम वेतन मिलने के कारण उदासीनता नजर आती थी। अध्ययन के दौरान 50 प्रतिशत विद्यालयों में पीने के पानी की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था नहीं थी। सभी विद्यालयों में ज्यादातर शाला भवन, सुलभ प्रसाधन, आवास, पुस्तकालय तथा शिक्षकों कि कमी का कारण बताया गया। विद्यालयों में शैक्षिक साधनों की कमी पायी गयी इसके कारण विद्यार्थी के अध्ययन में समस्या निर्माण होती है यह पाया गया।

विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में होने के कारण इसके वातावरण का परिणाम विद्यार्थी के शैक्षिक उपलब्धि कर पाया गया। अधिकतर विद्यालय शिक्षक की कमी पायी गयी। ग्रामीण वातावरण के कारण विद्यार्थी घरेलू काम तथा गरीबी के कारण गृहकार्य नहीं कर पाते है इस कारण अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी के लिए सुविधा होनी चाहिए परंतु ऐसी सुविधा शाला में न होने का कारण शिक्षकों ने बताया।

विद्यालय में भौतिक सुविधा कम होने के कारण काफी समस्या निर्माण होती है यह भी पाया गया। ग्रामीण क्षेत्र में विद्यार्थी का स्तर निम्न पाया जता है इस कारण विद्यार्थी के लिए अन्य सुविधा विद्यार्थी को दिये जाय परंतु ऐसी सुविधा विद्यालय में नहीं पायी गयी।